भारत - बोस्निया एवं हर्जेगोविना संबंध

भारत और बोस्निया एवं हर्जेगोविना के बीच सौहार्दपूर्ण एवं मित्रवत संबंध रहे हैं। बोस्निया एवं हर्जेगोविना भारत को महान बहु सांस्कृतिक एवं बहु धार्मिक लोकतंत्र मानता है जो ऐसा लक्ष्य है जिसे वह प्राप्त करना चाहता है। बोस्निया एवं हर्जेगोविना ने आर्थिक और सांस्कृतिक सहित सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और विकसित एवं मजबूत करने में गहरी रूचि दिखाई है। पूर्व युगोस्लाविया के दिनों को आज भी याद किया जाता है जब नेहरू और टीटो के बीच गहरी दोस्ती दोनों देशों के बीच संबंधों की विशेषता थी। पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी आज भी देश में घरेलू नाम हैं। भारत ने मई 1992 में बोस्निया एवं हर्जेगोविना को मान्यता प्रदान की तथा राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की। बुडापेस्ट में भारत के राजदूत को समवर्ती रूप में बोस्निया एवं हर्जेगोविना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है तथा पहले राजदूत ने 1995 में अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया। बोस्निया एवं हर्जेगोविना ने फरवरी 1997 में नई दिल्ली में अपना रेजीडेंट मिशन खोला।

बोस्निया के विदेश मंत्री की पहली भारत यात्रा मई 2003 में हुई थी। विदेश मंत्री म्लादेन इवानिक ने भारत की यात्रा की तथा भारत के विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री, वाणिज्य मंत्री और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री से मुलाकत की। भारतीय उद्योग परिसंघ के साथ एक अंत:क्रियात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया। भारत और बोस्निया एवं हर्जेगोविना नियमित रूप से विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का भी आयोजन करते हैं।

तृतीय विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का आयोजन 21-22 अप्रैल, 2014 को साराजेवो में किया गया था। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सचिव, पश्चिम द्वारा किया गया। द्विपक्षीय संबंधों के सभी क्षेत्रों पर चर्चा हुई। विदेश कार्यालय परामर्श के दूसरे चक्र का आयोजन अप्रैल, 2011 में नई दिल्ली में किया गया। विदेश व्यापार और आर्थिक संबंध मंत्री, बोस्निया और हर्जेगोविना द्वारा अक्टूबर, 2012 में भारत का दौरा किया गया। बोस्निया और हर्जेगोविना के मंत्री द्वारा 24 से 28 मार्च, 2013 तक भारत का दौरा किया गया। मंत्री स्तर पर भारत की ओर से बोस्निया एवं हर्जेगाविना का पहला दौरा विदेश राज्य मंत्री द्वारा 11 से 14 जुलाई, 2012 तक किया गया तथा उनके साथ भारतीय उद्योग परिसंघ का एक उच्च स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी गया था।

मई 2014 में, बोस्निया एवं हर्जेगोविना के इतिहास में यह सबसे भयंकर बाढ़ थी जिसमें उसकी 70 प्रतिशत जनसंख्या प्रभावित हुई थी। बाढ़ से प्रभावित लोगों के राहत और पुनर्वास पर खर्च के लिए भारत सरकार की ओर से वित्तीय सहायता के रूप में 1,00,000 अमेरिकी डालर की धनराशि प्रदान की गई।

वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध :

द्विपक्षीय व्यापार वस्तुत: सीमित है जो 65 मिलियन अमेरिकी डालर के आसपास है। पर्याप्त धन की कमी, व्यावसायिक संभावनाओं के प्रति जागरूकता का अभाव, दोनों देशों के बीच कमजोर बैंकिंग नेटवर्क तथा विश्वसनीय ऋण सुविधाओं की कमी आदि इस सीमित व्यापार के मुख्य कारण हैं। बोस्निया एवं हर्जेगोविना एक स्थल सीमा वाला देश है तथा इसका मुख्य बंदरगाह क्रोएशियाई प्लोस बंदरगाह है जिसका अब तक सीमित प्रयोग हुआ है।

संयुक्त व्यापार समिति अंतर सरकारी स्तर पर आर्थिक सहयोग के लिए विचार विमर्श करने हेतु संस्थागत ढांचा प्रदान करती है। संयुक्त व्यापार समिति की द्वितीय बैठक सितम्बर, 2006 में दिल्ली में हुई थी जिसमें व्यापार और आर्थिक सहयोग की स्थिति की समीक्षा की गई थी। बैठक में कृषि, ऊर्जा, रेलवे लाइनों के निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी तथा हवाई यातायात जैसे मुख्य क्षेत्रों की पहचान भी की गई जिसमें सहयोग को आगे बढ़ाया जा सकता है। व्यापार को सुगम बनाने के लिए ऐक्जिम बैंक और निवेश गारंटी एजेंसी के बीच सन् 2004 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ तथा संयुक्त समिति की बैठक के अंत में एक प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किया गया था। संयुक्त समिति की तृतीय बैठक 25 सितंबर, 2012 में साराजेवो में आयोजित की गई थी। पन बिजली, कृषि प्रसंस्करण, खनन, लकड़ी और फर्नीचर तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों की पहचान की गई है।

निवेश :

कुछ भारतीय कंपनियों ने निवेश किया है। जैसा कि निजीकरण की प्रक्रिया जारी है, कपड़ा, आटोमोबाइल उपकरण, धातु प्रसंस्करण, ऊर्जा, लकड़ी प्रसंस्करण, खनन, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन, दवा और बी ओ टी आधार पर बुनियादी ढ़ाचा परियोजनाओं जैसे विविध क्षेत्रों में विनिर्माण के आधार प्राप्त करने के अवसर मौजूद हैं।

इस्पात समूह की एक प्रमुख भारतीय कंपनी ने नवम्बर, 2003 में 51 प्रतिशत इक्विटी निवेश बी आई एच ग्लोबल इस्पात कोकसाना इंडस्ट्री के साथ केवल कोक आर उर्वरक संयंत्र में की है जो लगभग 10 मिलियन अमेरीकी डालर का है। यह लुकावाक में स्थित है। टुज्ला केंटन और इस्पात समूह के 15 भारतीयों की एक टी वहां स्थित है। आर्सेलर मित्तल ने जेनिका में एक स्टील मिल का अधिग्रहण किया है तथा स्प्रस्का रिपब्ल (बोस्निया एवं हर्जेगोविना दो कंपनियां) में कुछ खनन स्थानों के लिए 200 मिलियन अमेरीकी डॉलर का कुल निवेश किया है।

बोस्निया एवं हर्जेगोविना के साथ हस्ताक्षरित करार

- व्यापार करार जिस पर जनवरी, 2001 में हस्ताक्षर किए गए;
- बोस्निया एवं हर्जेगोविना के विदेश व्यापार चैंबर और फिक्की के बीच संयुक्त व्यापार परिषद की स्थापना के संबंध में समझौते पर हस्ताक्षर वर्ष 2003 में किए गए;
- निवेश के संरक्षण एव संवर्धन हेतु भारत और बोस्निया एवं हर्जेगोविना के बीच समझौते पर हस्ताक्षर वर्ष 2006 में किए गए;
- पारस्परिक विधिक सहायता संधि समझौते पर हस्ताक्षर वर्ष 2009 में किए गए;
- विमान सेवा समझौता;
- संजायाफ्ता व्यक्तियों के हस्तांतरण के लिए करार
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) और विदेश व्यापार चैंबर (एफ टी सी बी आई एच) के बीच समझौता ज्ञापन;
- भारत और बोस्निया के चैंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार द्वारा मई 2015 में एफ टी सी बिह के साथ सहयोग करार पर हस्ताक्षर किया गया।

उत्कृष्टता हेतु आई टी केंद्र:

भारत ने बोस्निया एवं हर्जेगोविना के छात्रों के प्रशिक्षण के लिए दो उत्कृष्ट आई टी केंद्रों की स्थापना का प्रस्ताव किया है। बोस्निया एवं हर्जेगोविना की ओर से साराजेवो विश्विवद्यालय और बन्जालु का विश्वविद्यालय का चयन आई टी केंद्रों की स्थपना के लिए किया गया है, जो भारत द्वारा यूरोप में स्थापित होने वाले पहले ऐसे केंद्र होंगे।

सांस्कृतिक संबंध :

भारत साराजेवो में फारवरी - मार्च में होने वाले वार्षिक साराजेवों विंटर फेस्टिवल में नियमित रूप से भाग लेता है। भारत और बोस्निया एवं हर्जेगोविना मित्रता संघ का औपचारिक रूप से पंजीकरण जुलाई 2010 में किया गया था। भारत- बोस्निया एवं हर्जेगोविना मित्रता संघ, भारत और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करता है। मई, 2014 में एक 10 दिवसीय भारतीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन साराजेवों में हुआ था। जून, 2014 में "महात्मा गांधी, 20वीं शताब्दी के अहिंसा और शांति के देवदूत" पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन साराजेवों में हुआ था। भारत महोत्सव साराजेवो में 14 एवं 15 दिसंबर 2014 को और मोस्टार में 16 दिसंबर 2014 को आयोजित किया गया। महोत्सव में भारतीय नृत्य, कला एवं वर्तमान उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

भारत ने जून 2015 में साराजेवो में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। उत्तर भारत से एक लोक नृत्य भांगड़ा के परफार्मेंस का आयोजन 22 एवं 23 नवंबर 2015 को साराजेवो एवं मोस्टार में किया गया। सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया तथा बोस्निया एवं हर्जेगोविना के नागरिकों के बीच भारत के लिए उत्सुकता और रूचि पैदा की।

छात्रवृत्तियां

आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत बोस्निया एवं हर्जेगोविना के लिए पांच खांचे आबंटित किए गए। बोस्निया एवं हर्जेगोविना सरकार ने अपने कर्मचारियों को इस कार्यक्रम के तहत भारत भेजकर इस प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया। बोस्निया एवं हर्जेगोविना विदेश मंत्रालय ने अपने राजनयिकों को भी, भारत के विदेश मंत्रालय के विदेश सेवा संस्थान द्वारा संचालित पी सी एफ डी पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए भेजा।

भारतीय समुदाय

मुख्य रूप से इस्पात और मित्तल स्टील में काम करने के लिए लगभग 50 भारतीयों का एक भारतीय समुदाय बोस्निया एवं हर्जेगोविना मे है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, बुडापेस्ट की वेबसाइट :
www.indianembassy.hu
भारतीय दूतावास, बुडपेस्ट फेसबुक :
https://www.facebook.com/IndiaInHungary
कलचर सेंटर का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/ICCBudapestHungary
भारतीय दूतावास, बुडपेस्ट ट्विटर :
https://twitter.com/IndiaInHungary

*****

जनवरी, 2016